भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3246
दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत अध्येतावृति

† 3246. श्री बस्तीपति नागराजूः
श्री बी. के. पार्थसारथीः
श्री मोहिब्बुल्लाहः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान मानव संसाधन विकास (एचआरडी) योजना के अंतर्गत वर्षवार, राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार, लिंगवार कुल कितनी-कितनी अल्पकालिक और दीर्घकालिक अध्येतावृत्ति प्रदान की गईं;
(ख) उक्त योजना के अंतर्गत विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के लिए कौशल उन्नयन और अनुसंधान क्षमता निर्माण हेतु अवसंरचना सहायता प्राप्त करने वाले मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों का ब्यौरा क्या है;
(ग) आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में राज्य-वार और संस्थान-वार निधि आवंटन और उनमें विकसित प्रशिक्षण सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है; और
(घ) जैव-चिकित्सा अनुसंधान प्रशिक्षण हेतु मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत सृजित ऑनलाइन शिक्षण और ई-लर्निंग अवसंरचना का ब्यौरा क्या है, साथ ही आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के लिए अब तक इन मॉड्यूलों का उपयोग करने वाले लाभार्थियों की संख्या का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार और लिंगवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डी.एच.आर) केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास (एचआरडी)' के अंतर्गत अल्पकालिक और दीर्घकालिक फेलोशिप सहित कई कार्यक्रम संचालित करता है। पिछले पाँच वर्षों के दौरान अल्पकालिक/दीर्घकालिक-भारतीय और अल्पकालिक/

दीर्घकालिक-विदेश के अंतर्गत प्रदान की गई फेलोशिप (अध्येतावृत्ति) की कुल संख्या का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है ।

(ख) और (ग): डी.एच.आर अपनी मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत 'संस्थानों और वैज्ञानिक पेशेवरों/निकायों/संघों को सहायता' कार्यक्रम भी चलाता है, जिसके माध्यम से चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चयनित भारतीय संस्थानों को सहायता प्रदान की जाती है। जैव

चिकित्सा/स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में, संबंधित संस्थानों में संपर्क कार्यक्रमों/शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन संसाधन सामग्री/शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन मार्गदर्शन या शोधकर्ताओं के लिए इंटरैक्टिव मंचों और ई-समूहों के साथ-साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए भी संस्थानों को सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में कुल 33 मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों को बुनियादी ढांचे का समर्थन प्राप्त हुआ है। इनमें आंध्र प्रदेश का एक संस्थान, राघवेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चिय्युडु , अनंतपुरम शामिल है , जिसमें 68.99 लाख रुपये के बजट के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, इनमें उत्तर प्रदेश के दो संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईसीपीआर), नोएडा और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायबरेली शामिल हैं, जिनमें क्रमशः 2.97 करोड़ रुपये (5 विभिन्न परियोजनाओं के लिए) और 78.79 लाख रुपये (1 परियोजना के लिए) के अनुदान स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं को मुख्य रूप से निम्नलिखित से संबंधित प्रशिक्षणों के लिए मंजूरी दी गई थी - 'कैंसर अनुसंधान से संबंधित बुनियादी आणविक जीव विज्ञान तकनीक', 'टिश्यू कल्चर से संबंधित तकनीक पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण', 'पारंपरिक और अभिनव संलयन: दवा की खोज में प्रीक्लिनिकल प्रतिमान', 'एचपीवी-डीएनए डायग्नोस्टिक्स में हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण', 'साइटोलॉजी-आधारित सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग का कार्यान्वयन और नैदानिक प्रयोगशालाओं से संबंधित प्रबंधन सिद्धांत', 'वायरल जीनोमिक्स और प्रतिरक्षा बचाव पर ऑनलाइन और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम', ' प्रिसिजन डायग्नोस्टिक्स और टारगेटेड थेराप्यूटिक्स में में ओमिक्स प्रौद्योगिकियों का आगमन'।

(घ): डी.एच.आर की मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत सृजित ऑनलाइन शिक्षण और ई-लर्निंग अवसंरचना का विवरण, साथ ही अब तक इन मॉड्यूलों का उपयोग करने वाले लाभार्थियों की संख्या नीचे दी गई है:

राज्य का नाम	ऑनलाइन प्रशिक्षण और ई-लर्निंग अवसंरचना	लाभार्थियों की संख्या (अब तक)
तमिलनाडु	1. बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स 2. इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी प्रशिक्षण के लिए वेब पोर्टल का विकास।	2,48,980 137
उड़ीसा	वन हेल्थ नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) पर पाठ्यक्रम	13,898
महाराष्ट्र	संक्रामक रोग मॉडलिंग और इसके अनुप्रयोग (प्रशिक्षण के लिए एक वेब पोर्टल तैयार किया गया है)	34
तेलंगाना	"मॉलेक्युलर बायोलॉजी 8 सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल और कम्प्युटेशनल डिसीज मॉडलिंग को जोड़ती यूनिफाइड जेनोमिक फ्रंटियर्स "	18
उत्तर प्रदेश	2 ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए मॉड्यूल ए: 6 सप्ताह का प्रशिक्षण: पैथोलॉजिस्ट के लिए सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम मॉड्यूल बी: 8 सप्ताह का प्रशिक्षण: प्रयोगशाला कर्मियों के लिए नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम	372 (150 पुरुष और 222 महिला)

ऑनलाइन प्रशिक्षण और ई-लर्निंग पाठ्यक्रमों के अलावा, एचआरडी योजना के संस्थानों को सहायता कार्यक्रम के माध्यम से डी.एच.आर. भारत भर के संस्थानों में कई भौतिक और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षणों को भी सहायता करता है।

*****

अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) के लिए डीएचआर की 'लघु/दीर्घकालिक फैलोशिप' के अंतर्गत फैलोशिप का विवरण

वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए, कोविड-19 स्थिति के कारण विदेश में दीर्घ/अल्पकालिक फैलोशिप के लिए आवेदन आमंत्रित नहीं किये गए।

वर्ष	राज्य	पुरुष	महिला
2022-23	आंध्र प्रदेश	1	1
	बिहार	1	0
	चंडीगढ़	1	0
	दिल्ली	8	2
	गुजरात	1	0
	हरियाणा	1	0
	जम्मू और कश्मीर	1	0
	केरल	1	2
	महाराष्ट्र	3	1
	मेघालय	1	0
	उड़ीसा	2	1
	पुदुचेरी	2	0
	पंजाब	1	0
	तमिलनाडु	1	2
	तेलंगाना	2	1
	उत्तर प्रदेश	10	1
	पश्चिम बंगाल	2	1

वर्ष	राज्य	पुरुष	महिला
2023-24	असम	2	1
	बिहार	1	1
	चंडीगढ़	2	0
	दिल्ली	8	3
	गुजरात	0	1
	हरियाणा	1	0
	जम्मू और कश्मीर	1	0
	कर्नाटक	2	2
	केरल	2	0
	महाराष्ट्र	5	0
	मिजोरम	1	0
	उड़ीसा	3	1
	पुदुचेरी	0	1
	राजस्थान	1	0
	सिक्किम	1	0
	तेलंगाना	2	2
	उत्तर प्रदेश	11	1
	उत्तराखंड	1	0
	पश्चिम बंगाल	5	1

वर्ष	राज्य	पुरुष	महिला
2024-25	चंडीगढ़	2	0
	दिल्ली	12	4
	गुजरात	2	0
	हरियाणा	2	0
	हिमाचल प्रदेश	1	0
	कर्नाटक	2	1
	केरल	1	1
	मध्य प्रदेश	2	0
	महाराष्ट्र	5	1
	असम	2	0
	मेघालय	1	0
	मिजोरम	1	0
	नागालैंड	1	0
	उड़ीसा	4	0
	पुदुचेरी	1	0
	पंजाब	1	0
	राजस्थान	2	1
	तमिलनाडु	4	0
	तेलंगाना	3	0
	उत्तर प्रदेश	8	0
	उत्तराखंड	1	0
	पश्चिम बंगाल	4	0

******